आषाढ़ शुक्ल पक्ष

22 जून से 5 जूलाई 2020 तक

ऋतु वर्षा
सूर्य दक्षिणायन

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	22.06.20	5.28	19.17
अष्टमी	28.06.20	5.30	19.18
पूर्णिमा	05.07.20	5.33	19.17

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	सोम	आर्द्रा	22.06.20	मिथुन	चन्द्र दर्शन, गुप्त नवरात्र विधान
द्वितीया	मंगल	पुनर्वसु	23.06.20	कर्क 7.32	श्री जगन्नाथ जी रथ यात्रा, मनोरथ द्वितीया
तृतीया	बुध	पुष्य	24.06.20	कर्क	वल्लभाचार्य पुण्य तिथि
चतुर्थी	गुरू	आश्लेषा	25.06.20	सिं. 12.26	–
पंचमी षष्ठी	शुक्र	मघा	26.06.20	सिंह	हेरा पंचमी, स्कन्द षष्ठी, महावीर स्वामी गर्भ कल्याणक (जैन) षष्ठी तिथि क्षय
सप्तमी	शनि	पूर्वा फा.	27.06.20	कं. 15.49	विवस्वत सप्तमी, सर्प पूजा
अष्टमी	रवि	उत्तराफा.	28.06.20	कन्या	दुर्गाष्टमी, अष्टाहिका व्रत प्रारम्भ जैन, अमृत सिद्धि व सर्वार्थ सिद्धि योग 8.45 से 29.31 तक
नवमी	सोम	हस्त	29.06.20	तुला 18.25	भड्डली नवमी, मेला शरीफ भवानी
दशमी	मंगल	चि/स्वाती	30.06.20	तुला	–
एकादशी	बुध	विशाखा	01.07.20	वृश्चिक 20.56	देवशयनी एकादशी व्रत, रथ वापसी (पुरी), अमृत सिद्धि व सर्वार्थ सिद्धि योग 26.33 से 29.31 तक
द्वादशी	गुरू	अनुराधा	02.07.20	वृश्चिक	प्रदोष व्रत, हरिवासर, सर्वार्थ सिद्धि योग 5.31 से 25.13 तक
त्रयोदशी	शुक्र	ज्येष्ठा	03.07.20	धनु 24.07	–
चतुर्दशी	शनि	मूल	04.07.20	धनु	सत्यनारायण व्रत, चौमासी चौदस (जैन), चातुर्मास्य आरम्भ, विवेकानन्द पुण्य तिथि
पूर्णिमा	रवि	पूर्वाषाढ़	05.07.20	मकर 29.04	गुरू पूर्णिमा, व्यास पूर्णिमा, कोकिला व्रत, सर्वार्थ सिद्धि योग 23.01 से 29.33 तक

राहु काल - शुभ कार्यों में विशेष रूप से त्याज्य है।

इस विशेष काल में एक घण्टा तीस मिनट के लिए राहुकाल का अनिष्टकारी समय होता है। किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में यथा सम्भव इस समय को टाल देना चाहिए?

दक्षिण भारत में राहु काल का विशेष विचार किया जाता है। अब उत्तर भारत में भी इसका विचार किया जाने लगा है।

सोमवार	प्रातः	7.30	से	9.00	बजे तक
मंगलवार	दोप.	3.00	से	4.30	बजे तक
बुधवार	दोप.	12.00	से	1.30	बजे तक
गुरूवार	दोप.	1.30	से	3.00	बजे तक
शुक्रवार	प्रातः	10.30	से	12.00	बजे तक
शनिवार	प्रातः	9.00	से	10.30	बजे तक
रविवार	सायं	4.30	से	6.00	बजे तक